(iv) हितोपदेश

Hitopadeśa

(v) वेतालपञ्चविंशतिका

Vetālapañcavṁsattikā

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4953 **H**

Unique Paper Code : 2132201201

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : **BA (P), DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित गद्यांशों का सानुवाद व्याख्या कीजिये । (15×2=30)

Explain with translation of the following passages :

(क) यौवनारंभे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहारिणी च सततदुरन्ता इयमुपभोगमृग-तृष्णिका। नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः । नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासंगो विषयेषु ।

5. प्रश्नसंख्या 1 के किन्हीं रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए । (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** of the underline words in question no. 1.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

Write short note on any **Three** of the following :

(i) सिंहासनद्वात्रिंशिका

Simhāsanadvātrimśikā

(ii) पुरुषपरीक्षा

Purūṣaparīkṣā

(iii) पञ्चतन्त्र

Pañcatantra

पं. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विशेषताएं बताइए।

Describe the features of the prose style of Pt. Ambikadatta Vyas.

4. संस्कृत गद्य साहित्य परंपरा में प्रमुख कवियों का योगदान स्पष्ट कीजिए। (14)

Explain the contribution of major poets in the tradition of Sanskrit prose literature.

अथवा / Or

संस्कृत गद्य साहित्य के उद्भव एवं विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the origin and development of Sanskrit prose literature.

अथवा / Or

आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम्। इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मी: क्षीरसागरात् पारिजातपललवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चै: श्रवसश्चञ्चलताम् कालकूटान् मोहनशक्तिम् मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेरतिनैष्ठर्यम्, इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद् विरहविनोदचिहनानि गृहीत्वेवोद्गतता। न ह्येवंविधमपरम् अपरिचितमिह जगति किंचिदस्ति यथेमनार्या।

लब्धापि खलु दु:खेन परिपाल्यते। दृढ़गुणपाशसंदाननिष्पन्दीकृतापि नश्यति।

(ख) अथ कालक्रमेण सप्ताशीत्युत्तरसहस्रतमे (१०८७) वैक्रमाब्दे सशोकं सकष्टञ्च प्राणांस्त्यक्तवति महामदे, गोरदेशवासी कश्चित् शहाबुद्दीननामा प्रथमं गजिनीदेशमाक्रम्य, महामदकुलं

धर्मराजलोकाध्वन्यध्वनीनं विधाय, सर्वा: प्रजाश्च पशुमारं मारयित्वा तद्रुधिरार्द्रमृदा गोरदेशे बहून गृहान् निर्माय चतुरङ्गिण्याऽनीकिन्या भारतवर्षप्रविश्य, शीतत्रशोणितानप्यसयन् पञ्चाशदुत्तरद्वादशशतमितेऽब्दे (१२५०) दिल्लीमश्वयाम्बभूव ।

अथवा / Or

कदलीदलकुञ्जायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वत: परम-पवित्रपानीयं परस्सहस्र पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पतत्रिकुल कूजित पूजित पय: पूरितं सर: आसीत्। दक्षिणतश्चैको निर्झरझर्झरध्वनिध्वनितदिगन्तर: फलपटलाऽऽस्वादचपलितचञ्चु-पतङ्गकुलाऽऽक्रमणाधिकविनतशाख-शाखिसमूहव्याप्त: सुन्दरकन्दर: पर्वतखण्ड आसीत् ।

2. शुकनासोपदेश में वर्णित अनर्थों के चार कारणों को स्पष्ट कीजिए । (12)

Explain the four reasons for the calamities described in Śukanāsopadeśa.

अथवा / Or

शुकनासोपदेशानुसार राजाओं के प्रति लक्ष्मी के आचरण का उल्लेख कीजिए।

Mention the behavior of Lakshmi towards the kings according to Śukanāsopadeśa.

3. शिवराजविजयम् के प्रथम नि: श्वास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । (12)

Write the story of śivrājavijayam's first nihśwāsa in your own words.

अथवा / Or